सेमेस्टर–4

प्रश्नपत्र–5
रीतिकालीन काव्य

100 अंक

इकाई एक : 1. देव 2. मतिराम 20 छंद
इकाई दो : बिहारी 21 दोहे
इकाई तीन : घनानन्द 20 छंद
इकाई चार : 1. भूषण 2. गिरिधर कविराय 20 छंद

इकाई–1

(क) देव –

रीतिकाव्य संग्रह
डॉ. जगदीश गुप्त
साहित्य भवन, प्रा.लि.
प्रथम संस्करण–1961 ई.
छंद संख्या : 2, 3, 5, 8, 21, 34, 35, 43, 48, 61

(ख) मतिराम –

रीतिकाव्य संग्रह

छंद संख्या : 7, 10, 13, 14, 16, 44, 49, 50, 55, 59

इकाई–2

बिहारी – बिहारी रत्नाकर
श्री जगन्नाथदास 'रत्नाकर' बी.ए.
लोक भारती प्रकाशन
इलाहाबाद
संस्करण–2004

दोहा संख्या– 1, 32, 38, 42, 62, 94, 103, 121, 127, 128, 130, 137, 143, 180, 192, 300, 317, 347, 363, 388, 677

इकाई–3

घनानंद–

रीतिकाव्य संग्रह
डॉ. जगदीश गुप्त
साहित्य भवन, प्रा.लि.
प्रथम संस्करण–1961 ई.

पद– छंद संख्या – 2, 3, 4, 6, 12, 14, 16, 17, 19, 20, 23, 24, 27, 28, 30, 41, 43, 44, 48, 50

इकाई–4

(क) **भूषण–**

रीतिकाव्य संग्रह
डॉ. जगदीश गुप्त
साहित्य भवन प्रा. लि.
प्रथम संस्करण–1961 ई.
छंद संख्या : 4, 5, 6, 8, 17, 21, 22, 27, 33, 34

(ख) **गिरिधर कविराय–**

गिरिधर कविराय ग्रंथावली
सं. – डॉ. किशोरी लाल गुप्त
मधु प्रकाशन, 42, ताशकंद मार्ग
इलाहाबाद
प्रथम संस्करण–1977
छंद संख्या – 11, 16, 36, 70, 71, 72, 99, 109, 328, 330

<u>प्रश्न पत्र का अंक विभाजन</u>

तीन आलोचनात्मक प्रश्न	–	14x3	=	42
रचना कौशल व व्याख्या–आधारित प्रश्न	–	9x2	=	18
टिप्पणी		8+7	=	15
				75

प्रमुख अध्ययन सामग्री :

1. देव और उनकी कविता – नगेंद्र
2. बिहारी – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
3. भूषण – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
4. गिरिधर कविराय (ग्रंथावली) – सं. किशोरीलाल गुप्त
5. घनानंद और स्वच्छंदतावादी काव्यधारा – मनोहरलाल गौड़

अन्य सहायक पुस्तकें :

1. रीतिकाव्य की भूमिका – नगेंद्र
2. कविवर बिहारीलाल और उनका युग – रणधीरप्रसाद सिन्हा
3. भूषण और उनका साहित्य – राजमल बोरा
4. हिंदी नीतिकाव्य का स्वरूप विकास – रामस्वरूप शास्त्री
5. हिंदी साहित्य का उत्तरमध्यकाल : रीतिकाल – महेंद्र कुमार
6. हिंदी साहित्य का बृहत् इतिहास, भाग–6 – सं. नगेंद्र
7. द्विजदेव और उनका काव्य – अंबिकाप्रसाद वाजपेयी
8. घनानंद ग्रंथावली – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
9. सनेह को मारग – इमरै बंघा
10. आर्या सप्तशती और बिहारी सतसई का तुलनात्मक अध्ययन – कैलाश नारायण तिवारी
11. रसलीन (मोनोग्राफ) – कैलाश नारायण तिवारी
12. हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक) – पूरनचंद टंडन